01-03-2022

एन.एस.आई. परिसर में की गईं ऑटोमेटिक वेदर स्टेशन की स्थापना

कानपुर, 1 मार्च। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में स्वचालित मौसम केंद्र (आटोमेटिक वेदर स्टेशन) की स्थापना की गई है। सोलर पावर सिस्टम से संचालित स्वाचालित मौसम केंद्र द्वारा वातावरणीय तापक्रम, आद्रता, हवा की गति व दिशा के अतिरिक्त वर्षा से संबंधित आकड़ें मॉनिटर किये जायेंगे। इन आंकड़ों को जरूरत के अनुसार प्रति घंटे, प्रति दिन या प्रति महीने के आधार पर देखा व रिकार्ड किया जा सकता है। आम लोगों को भी मौसम की जानकारी देने के लिए, संस्थान द्वारा इसका डिजिटल डिस्प्ले, जी टी रोड स्थित अपनी बाउंड्री पर लगाया गया है। संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने बताया कि संस्थान के फार्म पर विभिन्न गन्ने की प्रजातियों की उत्पादकता, मीठी चरी से सम्बन्धित प्रयोगों के अतिरिक्त शीरे पर आधारित डिस्टिलरीज की पोटाश युक्त राख के गन्ने की गुणवत्ता एवं प्रति हेक्टेयर उपज पर प्रभाव संबंधी फील्ड ट्रायल किये जा रहे है।

वेदर स्टेशन का शुभारम्भ करते निदेशक प्रो. नरेन्द्र मोहन व अन्य।

जीटी रोड पर डिजिटल डिस्प्ले से आम लोगों को भी देगा मौसम की जानकारियां

चूकि वातावरणीय परिस्थितियों (मौसम) का भी पैदावार एवं फसल की गुणवत्ता पर प्रभाव पड़ता है। अत ये आवश्यक था संस्थान इस सुविधा को स्थापित करें ताकि विभिन्न वातावणीय परिस्थियों के आकड़ों के आधार पर विभिन्न फील्ड ट्रायल के निषकर्ष किये जा सके।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान मे स्वचालित मौसम केंद्र की स्थापना हुई

कानपुर (नगर छाया समाचार)। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान मे स्वचालित मौसम केंद्र की स्थापना की गयी है। संस्थान के निदेशक श्री नरेंद्र मोहन ने बताया की संस्थान के फार्म पर विभिन्न गन्ने की प्रजातियों की उत्पादकता, मीठी चरी से सम्बन्धित प्रयोगों के अतिरिक्त शीरे पर आधारित डिस्टिलरीज की पोटाश युक्त राख के गन्ने की गुणवत्ता एवं प्रति हेक्टेयर उपज पर प्रभाव सम्बन्धी फील्ड ट्रायल किये जा रहे हैं। चूंकि वातावरणीय परिस्थितयों (मौसम) का भी पैदावार एवं फसल की गुणवत्ता पर प्रभाव पड़ता, अतः ये आवश्यक था संस्थान इस सुविधा को स्थापित करे ताकि विभिन्न वातावरणीय परिस्थितियों के आंकड़ों के आधार पर विभिन्न फील्ड ट्रायल के निष्कर्ष प्राप्त किये जा सकें।

सोलर पावर सिस्टम के द्वारा संचालित स्वचालित मौसम केंद्र द्वारा वातावरणीय तापक्रम, आद्रता, हवा की गति व् दिशा के अतिरिक्त वर्षा से सम्बंधित आंकड़े मॉनिटर किये जायेंगे। इन आंकड़ों को जरूरत के अनुसार प्रति घंटे, प्रति दिन या प्रति महीने के आधार पर देखा व् रिकॉर्ड किया जा सकता है। आम लोगों को भी मौसम की जानकारी देने के लिए, संस्थान द्वारा इसका डिजिटल डिस्प्ले, जी टी रोड स्थित अपनी बाउंड्री पर लगाया गया है।

एनएसआई शहर को बता रहा मौसम का हाल

कानपुर। एनएसआई (नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट) ने आम लोगों को मौसम का हाल बताने के लिए जीटी रोड स्थित अपनी चहारदीवारी पर डिजिटल डिस्प्ले बोर्ड लगाया है। निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने बताया कि संस्थान में स्वचालित मौसम केंद्र की स्थापना की गई है। इस डिस्प्ले बोर्ड पर मौसमी बदलाव नजर आता रहेगा। बताया कि एनएसआई के फार्म में गन्ने की विभिन्न प्रजातियों, मीठी चरी, डिस्टिलरीज की राख से गन्ने की प्रति हेक्टेयर उत्पादकता आदि पर शोध कार्य चलते हैं। स्वचालित मौसम केंद्र की स्थापना से यह भी स्पष्ट हो सकेगा कि बदलते मौसम का गन्ने की फसल पर क्या असर पड़ता है। वातावरण की परिस्थितियों के आंकड़ों के आधार पर विभिन्न फील्ड ट्रायल के निष्कर्ष प्राप्त किए जा सकते हैं। मौसम केंद्र में वातावरण का तापक्रम, आर्द्रता, हवा की गति व दिशा और वर्षा संबंधी आंकड़ों का अध्ययन करने में आसानी होगी। (ब्यूरो)